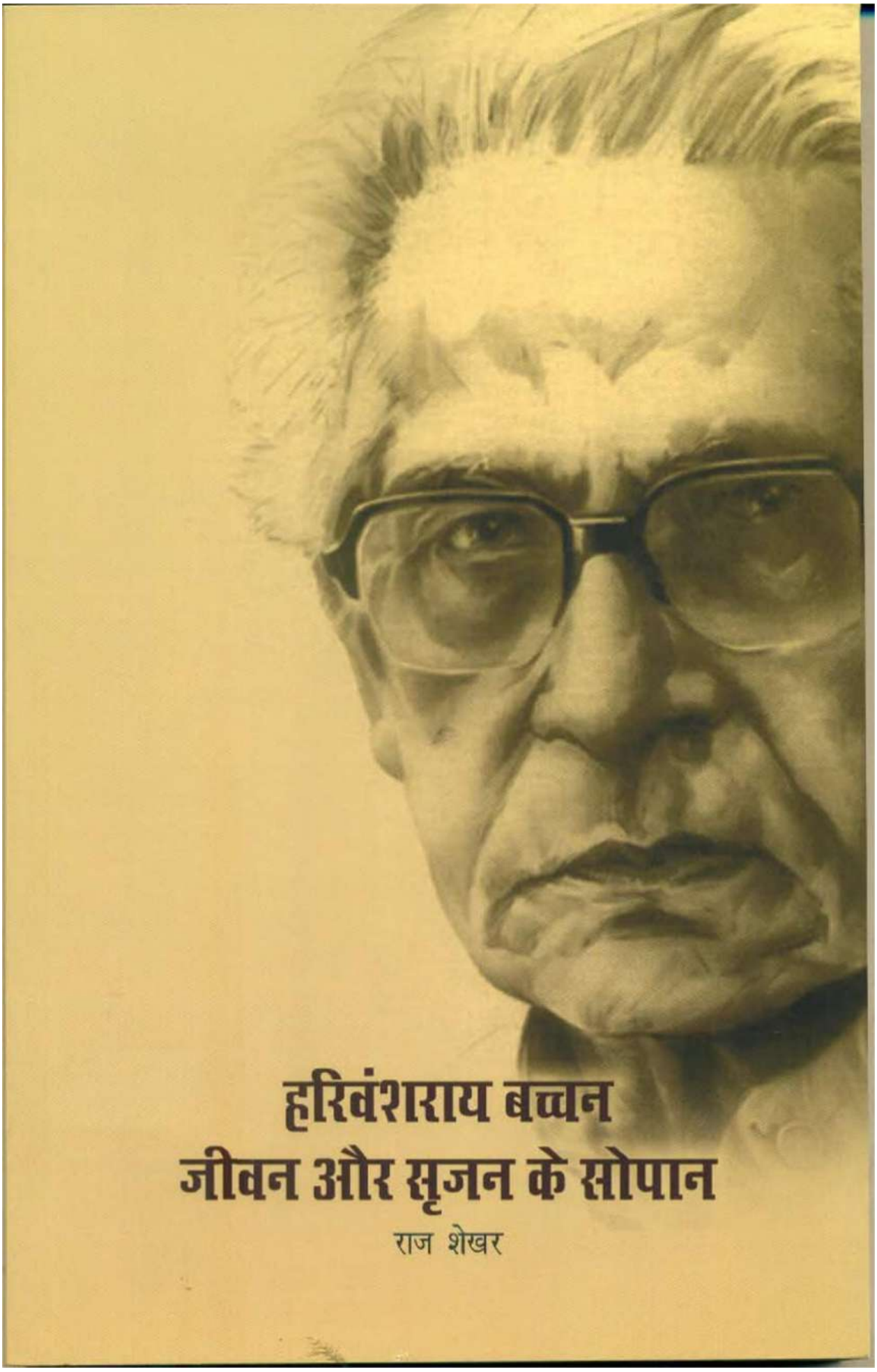

हरिवंशराय बच्चन
जीवन और सृजन के सोपान

राज शेखर

डॉ. हरिवंशराय बच्चन अपनी रचनाओं के माध्यम से एक साधारण व्यक्तित्व से असाधारण व्यक्ति बन लोकप्रियता के शिखर पर पहुंचे। उन्होंने लेखक, पाठक और रचना के बीच सहसंबंध स्थापित कर हिंदी साहित्य जगत में एक मिसाल कायम की। पाठक ही उनके सबसे बड़े समर्थक और आलोचक थे। 26 वर्ष की आयु में ही मधुशाला के माध्यम से लोकप्रिय होना इस बात का प्रमाण है। कविताओं के प्रति आमजनों की रुचि जगाने का श्रेय भी बच्चन को ही जाता है।

प्रस्तुत पुस्तक में डॉ. हरिवंश राय बच्चन के आरंभिक जीवन, उनके निजी और सामाजिक व्यक्तित्व, अनुभवों, रचना प्रक्रिया और कवि के रूप में लोकप्रियता पर रोचक जानकारियां हैं जिन्हें पाठक अवश्य जानना चाहेंगे।

कवि, कहानीकार और आलोचक राज शेखर ने 'हरिवंशराय बच्चन की आत्मकथा पर पीएच.डी. की उपाधि प्राप्त की है और उन पर एक लघु पुस्तिका सहित विभिन्न पत्र–पत्रिकाओं में महत्वपूर्ण लेख लिखे हैं।

मूल्य : ₹ 185.00

प्रकाशन विभाग
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार

PD BN
ISBN : 978-93-5409-266-4
BIO-HIN-OP-081-2020-21